पुस्तकालय

150
14-7-2000

सत्यमेव जयते

असंशोधित

13 JUL 2000

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग १—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

बि० स० मु० (एल० ए०) 115—मोनो—500—10-3-2000—

टर्न-9ए/राजेश/13.7.2000

श्री रामाश्रय सहनी(मंत्री):- पहले वाले पद पर है, बाद में आ गया था, इसलिए विरमित अभी नहीं हो सके है ।

अध्यक्ष:- अब स्वयं माननीय मंत्री देखें, आपने स्थानान्तरण उस पदाधिकारी को किया था, 98 में और आज 2000 हो रहा है, कार्यान्वित आपके आदेश का नहीं हुआ है यह बहुत ही सिरियस बात है । आपको देखना चाहिए कि क्यों नहीं उसका कार्यान्वित किया गया । आप एक सप्ताह के अन्दर विरमित करें ।

श्री रामाश्रय सहनी(मंत्री):- ठीक है ।

तारांकित प्रश्न संख्या:-1459

श्रीमती रमा देवी(मंत्री)=खण्ड क:- उत्तर स्वीकारात्मक है ।

खण्ड ख:- उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग पटना पूरब द्वारा टाल क्षेत्र में जलापूर्ति हेतु 7 करोड़ 96 लाख 24 हजार रूपये का प्राक्कलन प्रस्तुत किया गया था । राशि की उपलब्धता के अनुसार 50 लाख 20 हजार 400 रूपये मात्र की योजना को स्वीकृति दी गयी ।

खण्ड ग:- विकास आयुक्त की अध्यक्षता में टाल एवं दियारा विकास हेतु दिनांक 11.5.2000 को हुई बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में योजना उद्व्यय में इस कार्य हेतु अतिरिक्त राशिका उपबंध करने हेतु योजना एवं विकास विभाग से अनुरोध किया जा रहा है ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 1459 पर पूरक

श्री विजय शुक्ल - अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीया मंत्री महोदया से यह जानना चाहता हूँ कि 50लाख रूपये का जो आवंटन भेजा गया है तो काम कब, शुरू होगा ?

अध्यक्ष - माननीय सदस्य । माननीय मंत्री महोदया द्वारा जानकारी दी गई कि 50लाख रूपये आवंटित ... किये गये थे। फिर दिनांक 11-05-2000 द्वारा विकास आयुक्त की अध्यक्षता में बैठक हुई और योजनामें कहा गया कि अतिरिक्त राशि आवंटित की जाये और योजना के कार्यान्वयन की दिशा में सरकार तत्पर है।

श्री जगदीश शर्मा - अध्यक्ष महोदय, माननीया मंत्री जी ने बताया कि खंड-1 का उत्तर स्वीकारात्मक है। राशि इनको मिली 1 करोड़ रूपये ।

अध्यक्ष - 50लाख पहले मिला और शेष राशि देने की बात हो रही है।

श्री जगदीश शर्मा - महोदय, मैं माननीया मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि दशम् वित्त आयोग द्वारा कितनी राशि मिली ?

श्रीमती रमा देवी (मंत्री)- अध्यक्ष महोदय, 1 करोड़ की राशि में लोक स्वा0प्रमण्डल पटना पूर्व के लिए 50लाख रूपया ही मिला, फिर बिहार शरीफ के लिए 19.896लाख मिला, फिर हिलसा के लिए 9.780 लाख मिला और फिर, शेखपूरा के लिए 10.106लाख और मुंगेर के लिए 10.074 लाख मिला । तब एक करोड़ पूरा हो गया ।

श्री जगदीश शर्मा - महोदय, 1 करोड़ रूपया जो मिला, वह रूपया 1998 में इनको मिला तो मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि इस रूपया से कौन-कौन से काम कराये गये ?

अध्यक्ष - 1करोड़ 6 लाख कुछ रूपया है उससे कार्य कराया जायेगा ।

श्रीमती रमा देवी (मंत्री)- अध्यक्ष महोदय, अभी स्वीकृति ही मिली है। अभी कार्य नहीं हुआ है । इसके लिए दिनांक 11-05-2000 की बैठक में योजना के उद्व्यय के लिए निर्णय लिया गया और अनुरोध किया गया है । अभी जवाब नहीं मिला है।

श्री महेन्द्र प्रसाद सिंह - अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि राशि जब रीलीज हुई जिसके बारे में वह कह रहे हैं कि वित्तीय वर्ष 1998 में ... तो काम अब तक क्यों शुरू नहीं हुआ ?

श्रीमती रमा देवी (मंत्री)- अभी स्वीकृति ही दी गयी है ।

अध्यक्ष - इसमें स्वीकृति मिली है। इस काम में शीघ्रता लाये ।

-- --

तारांकित प्रश्न संख्या- 1460

-- --

श्री रामाश्रय सहनी (मंत्री)- अध्यक्ष महोदय, खंड-1 आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । अभी बेन पूरब में पशु चिकित्सा उपकेन्द्र कार्यरत है।

खंड- 2 अस्वीकारात्मक है। बेन प्रखंड के 5 कि0मी0 पर, 10कि0मी0 पर राजकीय पशु औषधालय अवस्थित है । तथा बेन प्रखंड में पहले से ही पशु चिकित्सा उपकेन्द्र है। इन पशु चिकित्सा उपकेन्द्रों में पशुओं का ईलाज किया जाता है। प्लान - उद्व्यय के अभाव में सम्प्रति नया पशु चिकित्सालय खोलने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

श्री श्रवण कुमार - अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने खंड-1 के जवाब में बताया कि बेन में पशु चिकित्सा उपकेन्द्र है। मैं मा0मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उस में कौन-कौन से डाक्टर है और डा0 के नीचे के जो पदा0 होते हैं, वह कौन-कौन पदस्थापित हैं ।